माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

2019 20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
सामाजिक विज्ञान	3 0 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

पुस्तिका का क्रमांक 219- 5886159

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: 1 9 2 4 4 9 4 5 3

शब्दों में: एक नौ दो चार चार नौ चार पाँच तीन

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 01 शब्दों में एक

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 01

ग :- परीक्षा का दिनांक 08 03 2019

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा **C.No.241086**

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
R. K. Chaub	(हस्ताक्षर)

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
शास.उच्च.माध्य.वि. चरे... परीक्षक क्रमांक - 7813...	...G.H.S.S. ...RAMOHGAON V.No.-781359

G.H.S.S. Ralegaon V.No.-781988

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	(अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

अंकों में

LaserInkjetCopier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16 de'smat

2

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ = कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (1) का उत्तर

(A) सड़क दुर्घटना ।

(B) 1962 ई. में

(C) प्राथमिक

(D) प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष दोनों

(E) राजस्थान में

प्रश्न क्र. (2) का उत्तर

(अ) ग्रामीण वन सुरक्षा समितियों

~~(B)~~ (ब) मध्यप्रदेश

(स) बहादुर शाह (द्वितीय)

(द) प्रारूप समिति

(इ) कार्ल मार्क्स

3

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र.(3) का उत्तर

(अ) चौथे नंबर

(ब) सर्वोच्च न्यायालय

(स) पार्षद

(द) सकल घरेलू उत्पाद

(इ) २४ दिसंबर

प्रश्न क्र.(५) का उत्तर

(अ) असत्य

(ब) असत्य

(स) सत्य

(द) सत्य

(इ) सत्य

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र.(5) का उत्तर

(अ) आकाशवाणी — 1957

(ब) स्वामी विवेकानंद - रामकृष्ण मिशन

(स) चरणपादुका गोलीकांड - छतरपुर

(द) परिवहन एवं संचार - तृतीयक क्षेत्र

(इ) सीमेन्ट का कारखाना - द्वितीयक क्षेत्र

प्रश्न क्र.(6) का उत्तर (अथवा)

ऊर्जा के परंपरागत साधन - कोयला, प्राकृतिक गैस, खनिज तेल, विद्युत

ऊर्जा के गैर-परंपरागत साधन - सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जैविक ऊर्जा, भू-तापीय ऊर्जा

प्रश्न क्र.(7) का उत्तर

उपभोक्ता के कर्त्तव्य निम्नलिखित हैं -

(1) बिल, रसीद या गारण्टी कार्ड लेना व उन्हें संभालकर रखना।

(2) आई.एस.आई, वूलमार्क, हॉलमार्क जैसे चिन्हों को देखकर ही वस्तुएं खरीदना।

B S E

प्रश्न क्र.

~~प्रश्न क्र. (6) का उत्तर (अथवा)~~

~~एकाधिकार - जब किसी वस्तु का उत्पादन या विक्रय किसी एक व्यक्ति अथवा~~

प्रश्न क्र. (8) का उत्तर

लार्ड कर्जन ने फूट डालो शासन करो की नीति का अनुसरण करते हुए 1905 ई. में बंगाल को दो भागों में विभाजित कर दिया।

B
S
E

प्रश्न क्र. (9) का उत्तर (अथवा)

बाढ़ नियंत्रण के उपाय निम्न लिखित हैं -

(1) नदियों के ऊपरी क्षेत्रों में जलाशयों का निर्माण किया जाना चाहिए।

(2) सहायक नदियों व धाराओं पर बाँधों का निर्माण करना चाहिए जिससे कि मुख्य पर बाढ़ के खतरे को कम किया जा सकता है।

3) तटबन्धों की सुरक्षा की ओर ध्यान दिया जाना चाहिए।

(4) सड़क निर्माण के समय विस्फोटकों के प्रयोग को सीमित करके भू-स्खलन को नियंत्रित करना चाहिए।

(5) मैदानी क्षेत्रों व अनुपयुक्त भूमि में जल का संग्रहण करना चाहिए।

6

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 6 के अंक | कुल योग

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (10) का उत्तर (अथवा)

कालाबाजारी - जब विक्रेताओं द्वारा अपने लाभ को बढ़ाने के उद्देश्य से वस्तुओं की जमाखोरी कर ली जाती है, तब उन वस्तुओं का मूल्य बाजार में बढ़ जाता है जिससे कि उपभोक्ताओं को विवशतापूर्वक बढ़े हुए मूल्यों पर ही वस्तुएं खरीदनी पड़ती हैं और जब सरकार द्वारा इन वस्तुओं की राशनिंग कर दी जाती है तो ये वस्तुएं काले बाजार में बिकने के लिए आ जाती हैं इसे ही कालाबाजारी कहते हैं।

प्रश्न क्र. (11) का उत्तर

मानव जीवन में मृदा का महत्व -
मानव जीवन में मृदा का अत्यधिक महत्व है। मृदा मानव जीवन का आधार है। मानव को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से भोजन मृदा के द्वारा ही प्राप्त होता है। मानव के वस्त्रों के निर्माण में प्रयुक्त होने वाले ऊन, रेशम, कपास आदि प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से मृदा से ही प्राप्त होते हैं। भेड़ मृदा पर उगी हुई घास खाती है और हमें ऊन देती है। ~~वनस्पति के लाखों कीड़े मृदा पर ही जीते हैं।~~ रेशम के कीड़े वनस्पति पर जीते हैं और वनस्पति मृदा पर ही उगती है। भारत में लाखों घरों का निर्माण मृदा (मिट्टी) से होता है। हमारे कृषि उद्योग, खनिज उद्योग, पशुपालन उद्योग आदि मृदा पर आधारित हैं। इस प्रकार मृदा का महत्व मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र एवं विकास के सभी आयामों में है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (12) का उत्तर (अथवा)

भारत में राष्ट्रीय जागृति के कारण निम्न हैं -

(1) धार्मिक और सामाजिक पुनर्जागरण - भारत में राष्ट्रीय जागृति में धार्मिक, समाज सुधार आंदोलनों का विशेष महत्व था। धार्मिक और समाज सुधार आंदोलनों ने भारतीयों के हृदय में भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न कर दी। इन आंदोलनों के प्रवर्तक राजा राममोहन राय, श्री मति ऐनीबेसेंट, स्वामी विवेकानंद, स्वामी दयानंद सरस्वती ने भारतीयों में ~~भारतीय~~ स्वराज्य, स्वदेशी, स्वधर्म की भावना उत्पन्न कर दी। मुस्लिमों के देवबंद आंदोलनों और सिक्खों के ~~गुरूद्वारा~~ गुरूद्वारा सुधार आंदोलन और थियोसोफिकल सोसायटी ने देश की भावी पीढ़ी को देश के नेतृत्व के लिए तैयार किया।

(2) पाश्चात्य संस्कृति और शिक्षा का प्रभाव - लार्ड मैकाले अंग्रेजी शिक्षा का प्रचार प्रसार भारतीय राष्ट्रीयता को जड़ से समाप्त करने के उद्देश्य से किया था। परंतु अंग्रेजी शिक्षा का ज्ञान होने के कारण भारतीय विदेशी बंधन से मुक्त होने के लिए प्रेरित हुए। अंग्रेजी शिक्षा से भारतीय पाश्चात्य संस्कृति, सभ्यता और विचार दर्शन से परिचित हुए। पाश्चात्य शिक्षा ने भारतीयों को स्वतंत्रता, राष्ट्रीयता, समानता और लोकतंत्र जैसे आधुनिक विचारों से अवगत कराया।

प्रश्न क्र.

(3) ब्रिटिश शासन की आर्थिक शोषण की नीति-
ब्रिटिश शासन की आर्थिक शोषण की नीति ने असंतोष को जन्म दिया। भारत से विदेशों में निर्यात होने वाले माल पर चुंगी की दरें बढ़ा दी गयीं तथा इंग्लैण्ड से आयात होने वाले माल पर चुंगी में छूट देकर उन्हें भारतीय बाजारों में बेचा जाने लगा जिससे भारतीय धन निरंतर निष्कासित होता गया और भारतीय कुटीर उद्योगों को गहरा धक्का लगा। भारतीय अर्थव्यवस्था का ढाँचा चरमरा गया अतः विदेशी दासता के बंधन से मुक्त होने के लिए भारतीय संघर्ष को प्रेरित हुए।

प्रश्न क्र. (13) का उत्तर

उग्र राष्ट्रवाद के उदय के कारण निम्न लिखित हैं—
(1) उदारवादियों की कार्यपद्धति के प्रति असंतोष-
उग्र राष्ट्रवादी नेताओं लाला लाजपत राय, बिपिन चंद्र पाल, बाल गंगाधर तिलक और अरविन्द घोष ने अनुभव किया कि प्रार्थनापत्रों स्मृतिपत्रों के माध्यम से राजनीतिक अधिकार प्राप्त नहीं किये जा सकते। उनका मानना था कि अंग्रेजों के विरुद्ध प्रबल एवं सशक्त जन-आंदोलन करना पड़ेगा। जबकि उदारवादी शांतिपूर्ण ढंग से अपने अधिकार प्राप्त करना ~~चाहिए~~ चाहते थे जो कि उग्र राष्ट्रवा के उदय का कारण बना।

प्रश्न क्र. (2) संवैधानिक आंदोलनों की विफलता – उदारवादियों की विभिन्न प्रार्थनाओं व ज्ञापनों के पश्चात् 189_ के भारतीय परिषद् के अधिनियम को स्वीकार कर लिया गया परंतु इससे भारतीयों विशेष राजनीतिक अधिकार प्राप्त नहीं हुए जिसके कारण उग्र राष्ट्रवाद का उदय हुआ।

(3) ब्रिटिश शासन की प्रतिक्रियावादी नीति – ब्रिटिश शासन की प्रतिक्रियावादी नीति उग्र राष्ट्रवाद के उदय का प्रमुख कारण बनी। 1858 के ब्रिटिश संसद के अधिनियम तथा महारानी विक्टोरिया द्वारा भारतीयों को जो आश्वासन दिये गये थे उनमें शाब्दिक आडंबर था तथा उनका सही अर्थों में पालन नहीं किया गया अत: उग्र राष्ट्रवाद का उदय हुआ।

प्रश्न क्र. (14) का उत्तर (अथवा)

परिवहन के साधन मानव सभ्यता की प्रगति के पथ प्रदर्शक हैं। जिस प्रकार मानव, सभ्यता की ओर अग्रसर हुआ उसी प्रकार से मानव सभ्यता का इतिहास परिवहन के साधनों का इतिहास बनता गया।

परिवहन के साधन मानव सभ्यता की प्रगति के पथ प्रदर्शक हैं इसे निम्न बिंदुओं के आधार पर स्पष्ट किया जा सकता है –

(1) सड़क परिवहन, वायु परिवहन तथा रेल परिवहन व इनके साधन मंडी के लिए कृषि उपजें, उद्योगों के लिए कच्चा माल तथा उपभोक्ताओं के तैयार माल व व्यापारियों के लिए दूरस्थ माल सुलभ कराते हैं। हमारी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति छोटी-छोटी वस्तुओं की पूर्ति परिवहन के साधनों से ही संभव है।

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र. (2) परिवहन के साधन भौगोलिक व वैदेशिक दूरियों को समाप्त करके देश को एकता के सूत्र में बाँधने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।
(3) परिवहन के साधन किसी राष्ट्र की प्रगति के सूचक हैं। इनसे ही माल व यात्रियों की ढुलाई तीव्रगामी तथा विश्वसनीय होती है।
(4) परिवहन व संचार के द्रुतगामी साधन हमारी पारस्परिक निर्भरता को सुलभ बना देते हैं।
(5) परिवहन के साधन प्राकृतिक आपदाओं के समय (जैसे – बाढ़, भूकंप, भूस्खलन ~~[illegible]~~ भी) समाज की मदद करते हैं।

B
S
E

प्रश्न क्र.(15) का उत्तर (अथवा)

समाजवादी अर्थव्यवस्था के गुण निम्न लिखित हैं –

(1) संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग – समाजवादी अर्थव्यवस्था में केंद्रीय नियोजन होने के कारण संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग संभव हो पाता है। केन्द्रीय नियोजन के कारण इसमें संसाधनों को कम उत्पादकता वाले क्षेत्र से हटकर अधिक उत्पादकता वाले क्षेत्र में प्रयोग किया जाता है जिससे संसाधनों का अनुकूलतम प्रयोग होता है।

(2) वर्ग संघर्ष की समाप्ति – समाजवाद में धन एवं सम्पत्ति के आधार पर समाज का विभाजन नहीं पाया जाता है। इसमें केवल एक ही श्रमिक वर्ग होता है जिससे वर्ग संघर्ष की

प्रश्न क्र. समाप्ति हो जाती है।

(3) शोषण की समाप्ति – समाजवादी अर्थव्यवस्था में सरकार का नियंत्रण होता है इसमें श्रमिकों के समुचित प्रतिफल दिया जाता है फलतः इस प्रणाली में शोषण का प्रश्न ही नहीं उठता।

(4) सामाजिक सुरक्षा – समाजवादी अर्थव्यवस्था में सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। सरकार लोगों को वृद्धावस्था पेंशन, जीवन बीमा आदि के द्वारा सुरक्षा प्रदान करती है अतः इस अर्थव्यवस्था में लोग स्वयं को अधिक सुरक्षित अनुभव करते हैं।

(17)
प्रश्न क्र॰ (17) का उत्तर

भारतीय संविधान की विशेषताएँ निम्न लिखित हैं –

(1) लिखित एवं विस्तृत संविधान – भारतीय संविधान लिखित संविधान है। यह विश्व का सबसे विशाल संविधान है। भारतीय संविधान में 395 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियाँ हैं जो 22 भागों में विभाजित हैं जबकि अमेरिका के संविधान में केवल सात (7), ऑस्ट्रेलिया के संविधान में 128 तथा कनाडा के संविधान में 147 अनुच्छेद ही हैं।

(2) स्वतंत्र प्रभुत्व सम्पन्न गणराज्य – स्वतंत्र प्रभुत्व संपन्न गणराज्य से आशय भारत में किसी भी विदेशी शक्ति का अधिकार नहीं है। वह अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अपनी इच्छानुसार आचरण कर सकता है।

प्रश्न क्र.

~~(3) समाजवादी एवं पंथनिरपेक्षता~~

(3) राज्य के नीति निर्देशक तत्व - भारतीय संविधान में शासन संचालन के लिए मूलभूत सिद्धान्तों का वर्णन किया गया है इन्हें राज्य की नीति निर्धारण करने वाले निर्देशक कहा जाता है। नीति निर्देशक तत्वों के माध्यम से भारत में एक लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना का प्रयास किया गया है।

(4) इकहरी नागरिकता - भारतीय संविधान में इकहरी नागरिकता को अपनाया गया है। अर्थात् देश का प्रत्येक नागरिक चाहे वह कहीं भी रहता हो वह भारत का नागरिक होगा। वह अपने राज्य जैसे - मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, पंजाब का नागरिक नहीं होगा। देश का प्रत्येक नागरिक देश के किसी भी भाग में रहकर समान अधिकारों का प्रयोग कर सकता है और रोजगार प्राप्त कर सकता है।

प्रश्न क्र० (16) का उत्तर

पूँजीवादी आर्थिक प्रणाली की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं -

(1) उत्पादन के साधनों पर निजी स्वामित्व - पूँजीवाद की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें उत्पादन के साधन पर

प्रश्न क्र.

निजी स्वामित्व होता है। इसमें व्यक्ति अपनी इच्छानुसार धन कमा सकता है तथा उसका प्रयोग कर सकता है।

(2) आर्थिक स्वतंत्रता → पूँजीवाद में व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार रोजगार चुनने तथा उसे चलाने की स्वतंत्रता होती है। उपभोक्ता भी अपनी इच्छानुसार वस्तुए चुन सकता है।

(3) लाभ की भावना ⇒ पूँजीवाद में लाभ की भावना का प्रमुख स्थान होता है। लाभ को पूँजीवाद का हृदय कहा जाता है। इसमें प्रत्येक व्यक्ति लाभ को बढ़ाने के उद्देश्य से कार्य करता है तथा उद्यमियों का लक्ष्य भी अपने लाभ को बढ़ाना होता है।

(4) उपभोक्ता की संप्रभुता – पूँजीवाद में उत्पादन से संबंधित निर्णय उपभोक्ता की इच्छा के आधार पर लिए जाते है जिससे कि पूँजीवाद में उपभोक्ता को राजा कहा जाता है। इसमें उत्पादक उन्हीं वस्तुओं का उत्पादन करता है जिनकी उपभोक्ताओं द्वारा माँग की जाती है। अतः उपभोक्ता को प्रभुसत्ता संपन्न माना जाता है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (18) का उत्तर

रबी की फसल	खरीफ की फसल
(1) रबी की फसल अक्टूबर - नवंबर में बोयी जाती है।	(1) खरीफ की फसल जून - जुलाई में बोई जाती है
(2) रबी की फसल मार्च - अप्रैल तक पककर तैयार हो जाती है।	(2) खरीफ की फसल सितंबर - अक्टूबर तक पककर तैयार हो जाती है।
(3) रबी की फ[illegible] को पकने में अधि[illegible] य लगता है।	(3) खरीफ की फसल को पकने में कम समय लगता है।
(4) रबी की फसल को पानी की कम आवश्यकता होती है।	(4) खरीफ की फसल को पानी की अधि[illegible] आवश्यकता हो[illegible]
(5) रबी की फसलों का प्रति हेक्टेयर उत्पादन अधिक होता है।	(5) खरीफ की [illegible] का प्रति हेक्टेयर उत्पादन कम होता
(6) गेहूँ, जौ, मटर, सरसों आदि रबी की फसलें हैं।	(6) गन्ना, कपास, मूंगफली, सोयाबीन आदि खरीफ की फसलें हैं।

B
S
E

न क्र.

प्रश्न क्र. (19) का उत्तर

जनसंख्या वृद्धि रोकने के उपाय निम्नलिखित है-
(1) परिवार नियोजन कार्यक्रमों को लागू किया गया है।
ा इनको बढ़ावा देने हेतु इनका प्रचार प्रसार किया
ा रहा है।
ि गाँवों व शहरों में परिवार नियोजन केन्द्र स्थापित
ये जा रहे हैं।
ववाह के लिए आयु बढ़ा दी गई है।
ो बच्चों के मानक को प्रोत्साहित लागू किया गया है।
स्त्री-शिक्षा का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।
टीकाकरण का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

प्रश्न क्र. (20) का उत्तर (अथवा)

काँग्रेस का 44 वाँ अधिवेशन दिसंबर 1929 में लाहौर में हुआ। कांग्रेस के इस अधिवेशन के अध्यक्ष पं. जवाहरलाल नेहरू थे। पूर्ण स्वाधीनता का प्रस्ताव इसी अधिवेशन में स्वीकार किया गया तथा 31 दिसंबर 1929 को रावी तट पर पूर्ण स्वाधीनता के प्रस्ताव के प्रतीक के रूप में तिरंगा ध्वज फहराया गया। देश को आजादी दिलाने की दृष्टि से सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाये जाने का निर्णय भी लिया गया तथा 26 जनवरी 1930 को देश में स्वाधीनता दिवस बड़े उत्साहपूर्वक मनाया गया जिससे कि स्वराज्य का संदेश घर-घर तक पहुँचा। इस प्रकार 1929 के लाहौर अधिवेशन का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान है।

प्रश्न क्र.

प्रश्नक्र.(21) का उत्तर

सरकार द्वारा वन संरक्षण के लिए किये गये प्रयास निम्नलिखित हैं—

(1) केंद्रीय वन आयोग की स्थापना— केंद्र सरकार द्वारा सन् 1965 में केंद्रीय वन आयोग की स्थापना की गई। इसका उद्देश्य सूचनाएं एकत्रित करना व तकनीकी सूचनाएं प्रसारित करना है।

(2) वन सर्वेक्षण संगठन — सन् 1971 में वन सर्वेक्षण संगठन की स्थापना वनों में क्या-क्या वस्तुएं उपलब्ध हैं इस बात का पता लगाने के उद्देश्य से की गई।

(3) काष्ठ कला प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना — वनों की कटाई का प्रशिक्षण देने हेतु वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को देने हेतु काष्ठ कला प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई है।

(4) भारतीय वन प्रबंध संस्थान की स्थापना — वन प्रबंधन एवं अनुसंधान की नवीन बातों की जानकारी देने हेतु 1978 में स्वीडिश कंपनी की सहायता से भारत के अहमदाबाद में भारतीय वन प्रबंध संस्थान की स्थापना की गई है।

B
S
E

प्रश्न क्र. (२२) का उत्तर (अथवा)

(i) कुहरा

(ii) ओला

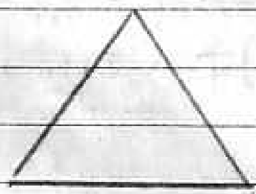

(iii) कुहासा

(iv) धीरसमीर

(v) झंझा

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (23) का उत्तर (अथवा)

प्रजातंत्र की सफलता में बाधक तत्व निम्न हैं-

(1) गरीबों और बेरोजगारों की बढ़ती संख्या - भारतीय अर्थव्यवस्था में लोगों का 26%. से भी अधिक भाग गरीबी रेखा के नीचे जीवन निर्वाह कर रहा है। देश के करोड़ो शिक्षित एवं अशिक्षित लोगों को रोजगार का कोई साधन नहीं है जो कि भारतीय प्रजातंत्र की सफलता में बाधक बना हुआ है।

(2) जातीयता, क्षेत्रीयता व अन्य भाषायी समस्याएं - हमारे देश में सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के राजनीतिक अधिकार प्रदान किये गये है। किन्तु यथार्थ में देश में प्रचलित जातीयता, क्षेत्रीयता व अन्य भाषायी समस्याए इन अधिकारों को वास्तविक नहीं बनने दे रहे हैं।

(3) अशिक्षा - स्त्री-पुरुषों के समान राजनैतिक अधिकार होते हुए भी अशिक्षा प्रजातंत्र की सफलता में बाधक है। शिक्षा के कमी के कारण लोगों में राजनीतिक सक्रियता व सहभागिता कम होती है लोकतंत्र के क्रियान्वन में ये बड़ा अवरोध है।

प्रश्न क्र. (५) सामाजिक कुरीतियाँ —

(४) सामाजिक कुरीतियाँ — हमारे समाज में व्याप्त जातीयता के भाव, महिलाओं से भेदभाव, सामन्तवादी मानसिकता व सामाजिक कुरीतियाँ देश के नागरिकों को लोकतंत्र का अभिन्न अंग नहीं बनने दे रहे हैं।

(5) संचार साधनों की भूमिका — संचार साधनों के द्वारा सरकार व नागरिकों के मध्य घनिष्ठ नाता बनता है। सरकारी कार्यक्रम व नीतियाँ संचार साधनों के द्वारा प्रसारित किये जाते हैं। परंतु इन साधनों का उपयोग व्यावसायिक रूप से हो रहा है जिससे कि भारतीय प्रजातंत्र की सफलता में बाधा आती है।

प्रश्न क्र. २५ का उत्तर

मुख्यमंत्री के कार्य निम्नलिखित हैं —

(1) मुख्यमंत्री मंत्रिपरिषद् व राज्यपाल के बीच में कड़ी के रूप मे कार्य करता है।

(२) मुख्यमंत्री की सलाह पर ही राज्यपाल मंत्रियों की नियुक्ति करता है।

(३) मुख्यमंत्री के परामर्श पर ही राज्यपाल विधान-सभा को भंग कर सकता है।

(४) मुख्यमंत्री यदि चाहे तो किसी भी ~~मंत्रि~~ मंत्री के

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 20 के | कुल अंक

कार्य में हस्तक्षेप कर सकता।

(5) मुख्यमंत्री राज्य का अधिकृत प्रवक्ता होता है।

(6) मुख्यमंत्री राज्य के शासन संचालन के लिए नीति निर्धारित करता है।

प्रश्न क्र. (25) का उत्तर (अथवा)

लोकसभा अध्यक्ष के कार्य—

(1) सदन की बैठकों की अध्यक्षता करना।

(2) सदन की बैठकों या कार्यवाहियों को संचालित करना।

(3) सदन में शांति व्यवस्था स्थापित करना।

(4) कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं यह निर्धारण करना।

(5) लोकसभा सदस्यों के अधिकारों का संरक्षण करना।

(6) किसी विषय विचार-विमर्श हेतु समय निर्धारित करना।

(1)

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 2019 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
सा. वि.	3 0 0	हिन्दी	09 03 1

रोल नम्बर स्टीकर के निशान से मिलाकर लगायें

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल

क्रमांक 1059011

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

9	2	4	4	9	4	5

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक भी लिखें
हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

C.No.241086

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर
Trishala Jain

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक..........................तक कुल प्राप्तांक [ ] + [ ] = [ ]

B S E

प्रश्न क्र. (26) का उत्तर

भारत में बेरोजगारी दूर करने के उपाय निम्न हैं—

(1) जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण - जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण होने से बेरोजगारी कम की जा सकती है। इससे अवसर बढ़ने के साथ-साथ श्रमिकों की पूर्ति में कमी आती है।

(2) लघु एवं कुटीर उद्योगों का विकास - लघु एवं कुटीर उद्योग ग्रामीण-शहरी दोनों क्षेत्रों में स्थापित होते हैं तथा ये लोगों को अंशकालीन रोजगार प्रदान करते हैं अतः इनके विकास हेतु सरकार को पूँजी उपलब्ध कराना चाहिए।

पृष्ठ के अंकों का योग

(3) ~~व्यावसायिक~~
(3) व्यवसायिक शिक्षा - देश की शिक्षानीति में समयानुसार परिवर्तन की आवश्यकता होती है हमें शिक्षा को रोजगार उन्मुख बनाना है इससे लोग हाईस्कूल पास करने के बाद व्यवसाय से जुड़ सकेंगे।

(4) विनियोग में वृद्धि - सार्वजनिक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विनियोग में वृद्धि होने से बेरोजगारी की समस्या हल हो सकेगी।

(5) ग्रामीण रोजगार योजनाओं का विस्तार - ग्रामीण रोजगार योजनाओं में योजनाओं का विस्तार होना चाहिए तथा गांव में कृषि सेवा केन्द्र खोलना चाहिए यथा जवाहर योजना समृद्धि योजना का विस्तार करना चाहिए। शहरों में ~~प्रधानमंत्री~~ गाँवों में प्रधानमंत्री रोजगार योजना व रोजगार गारंटी स्कीम का विस्तार करना चाहिए।